18 JUN 2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY G New Delhi

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 604

Unique Paper Code : 2132101102-DSC2

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए :

$(6 \times 2 = 12)$

Translate any **two** of the following verses :

(i) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीड्य-

न्पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादये-

न्नतुप्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमारा धयेत् ।।

(ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नममनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।।

(iii) द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः ।

स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(iv) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जुम्भते

छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते ।

माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते

नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(9×2=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम् ।।

(ii) निशम्य चैनां तपसे कृतोद्यमां सुतां गिरीशप्रतिसक्तमानसाम् ।

उवाच मेना परिरभ्य वक्षसा निवारयन्ती महतो मुनिव्रतात् ।।

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

(iv) अनेकराजन्यरथाश्वसंकुलं तदीयमास्थाननिकेतनाजिरम् ।

नयत्ययुग्मच्छदगन्धिरार्द्रतां भृशं नृपोपायनदन्तिनां मदः ।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ।

(ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।

(iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(12×3=36)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Answer any **three** of the following :

(i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।

Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

अथवा / OR

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है - इस कथन का परीक्षण कीजिए।

The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society – Examine this statement.

(ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।

Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.

अथवा / OR

कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिए।

Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।

Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा / OR

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement – 'भारवेरर्थगौरवम्'.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए। (15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write detail notes on any **two** of the following :

(i) जयदेव

(Jayadeva)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(ii) अमरुशतक

(Amrushatak)

(iii) भर्तृहरि

(Bhartrihari)

(iv) विल्हण

(Bilhana)

18 JUN 2024

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

This question paper contains 2 printed pages.
Sl. No. of Q.P. : 526
Unique Paper Code : 2132102301
Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (DSC-7)
Name of the Course : B.A (Hon.) Sanskrit
Semester : III
Duration: 3 Hours
Maximum Marks: 90

(Write your Roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.)
(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question answers should be written *either* in **Sanskrit** *or* in **Hindi** *or* in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं **तीन-तीन** पद्यों का अनुवाद एवं विस्तृत व्याख्या कीजिए। **8x6=48**
Translate and explain in details any **three** verses from part A and part B each.

भाग-अ [Part-A]

(क) कौलूतश्चित्रवर्मा मलयनरपतिःसिंहनादो नृसिंहः
काश्मीरः पुष्कराक्षः क्षतरिपुमहिमा सैन्धवः सिन्धुषेणः।
मेघाक्षः पञ्चमोऽस्मिन् पृथुतुरगबलः पारसीकाधिराजो
नामन्येषां लिखामि ध्रुवमहमधुना चित्रगुप्तः प्रमार्ष्टु।।

(ख) पृथिव्यां किं दग्धाः प्रथितकुलजा भूमिपतयः
पतिं पापे मौर्यं यदसि कुलहीनंवृतवती।
प्रकृत्या वा काशप्रभवकुसुमप्रान्तचपला
पुरन्ध्रीणां प्रज्ञा पुरुषगुणविज्ञानविमुखी।।

(ग) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैःपुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमगुणास्त्वमिवोद्वहन्ति।।

(घ) परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थो नियतमयथार्थः क्षितिपतिः।
परार्थश्चेत् स्वार्थादभिमततरो हन्त परवान्
परायत्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः ।।

भाग-ब [Part-B]

(क) नीवाराः शुकगर्भ कोटरमुखभ्रस्टातरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिंगुदीफलभिदः सुच्यन्त एवोपलाः।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगा-
स्तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किताः।।

(ख)सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनां।।

(ग) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः ।।

(घ) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्माष्वपीतेषु या
नादत्ते प्रिय मण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

2. उपमा कालिदासस्य की समीक्षा कीजिए। 9
Critically examine उपमा कालिदासस्य

अथवा /or

अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।
Describe the importance of 4th Act of *Abhigyanshakuntal.*

3. संस्कृत नाटक के उद्भव और विकास पर निबन्ध लिखिए। 9
Write an essay on the origin and development of Sanskrit Drama.

अथवा /or

मुद्राराक्षस के द्वितीय अङ्क का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।
Write the summary of 2nd Act of *Mudrarakshas* in your own words.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की विवेचना कीजिए: 6x2=12
Discuss any **two** of the following:

(i) अत्यादरः शङ्कनीयः
(ii) काव्येषु नाटकं रम्यम्
(iii) भास के नाटक
(iv) भवभूति
(v) भट्टनारायण

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 4x3=12
Write short notes on any **three** of the following:

(i) नान्दी
(ii) अंकास्य
(iii) प्रवेशक
(iv) स्वगत
(v) भरतवाक्य

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

5 18 JUN 2024 28m

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. ....

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 581

Unique Paper Code : 2132102302

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hons.) – DSC**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss the main parts of linguistics

अथवा / OR

भाषा का अर्थ बताते हुए उसकी परिभाषा बताइये।

Explain the meaning of language and give its definition.

2. भाषाविज्ञान के अनुसार पदविज्ञान का परिचय दीजिए। (15)

Introduce terminology (पदविज्ञान) according to linguistics.

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थविज्ञान का वर्णन कीजिये।

Describe semantics from Sanskrit point of view.

3. मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रभाव डालिए। (15)

Describe the development of Sanskrit from the original Indo-European languages.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अथवा / OR

भारतीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए।

Introduce the Indian language family.

4. तुलनात्मक भाषा विज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the importance of Sanskrit in comparative linguistics.

अथवा / OR

भाषाशास्त्र के विकास में संस्कृत के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

Explain the contribution of Sanskrit in the development of philology.

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो- (7.5×4=30)

- मूल भाषा
- वाक्य के प्रकार
- प्राकृत
- ध्वनिपरिवर्तन के कारण
- पाणिनि-भिन्न व्याकरण संप्रदाय
- भाषा विज्ञान का नामकरण

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Write a comment on **any four** of the following, one of which should be in Sanskrit –

- Original language
- Types of sentences
- Prakrit
- Reasons for sound change
- Panini–different grammar schools
- Nomenclature of linguistics

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

1 8 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 960

Unique Paper Code : 2132202302

Name of the Paper : Gita and Upanisad

Name of the Course : **B.A. with Sanskrit, DSE**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All questions are compulsory.**
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं** छः प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

Answer **any six** of the following questions in brief.

(6×3=18)

(i) गीता का परिचय दीजिए।

(ii) शरीर और शरीरी में क्या भेद है?

(iii) स्थितधी से क्या आशय है?

(iv) प्रश्नपत्र में निहित मन्त्रों/श्लोकों के अतिरिक्त कोई एक कण्ठस्थ श्लोक या मन्त्र लिखिए।

(v) उपनिषद् से आप क्या समझते हैं व्युत्पत्ति लभ्य अर्थ बताइए।

(vi) अपने पाठ्यक्रम में निहित उपनिषद् का परिचय दीजिए।

(vii) 'भुञ्जीथा:' पद में लकार, पुरूष एवं वचन बताइए।

(viii) ईशावास्यमिदं सर्वं... मन्त्र में कौन-सा छन्द है ?

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए ।

Explain **any five** of the following with context.

(5×5=25)

(i) अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः ।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत ।।

(ii) व्यवसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन ।
बहुशाखा ह्यनन्ताश्च बुद्धयोऽव्यवसायिनाम् ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(iii) प्रसादे सर्वदुःखानां हानिरस्योपजायते ।
प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते ।।

(iv) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः ।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे ।।

(v) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम् ।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये ।।

(vi) अग्ने नय सुपथा राये अस्मान्विश्वानि देव वयुनानि विद्वान् ।
युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्तिं विधेम ।

3. निम्नांकित में से **तीन विषयों** को संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।

Write a short **note on three** of the following topics.

(3×5=15)

(i) स्थितप्रज्ञ ।

(ii) योगः कर्मसु कौशलम् ।

(iii) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार जगत्।

(iv) तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः ।

4. गीता को दृष्टि में रखते हुए आत्मा के स्वरूप, विशेषताओं और प्रकृति को स्पष्ट कीजिए । (16)

Elucidate the character, characteristics and nature of Atman on the basis of Gita.

अथवा /OR

ज्ञानयोग क्या है ? इसका सम्बन्ध भक्तियोग से स्थापित कीजिए।

What is Jnana Yoga ? Establish its relation with *Bhakti Yoga*.

5. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर आत्मा का वर्णन कीजिए। (16)

Describe Atman on the basis of Isavasyopanisad.

अथवा /OR

उपनिषदीय ब्रह्म के स्वरूप एवं कार्य-स्थिति को निबन्धित कीजिए।

Write an essay on the nature and functioning of the Upanisadic *Brahman*.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5242

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit - Core**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (3×4=12)

Translate the following :

(क) अनाहारे तुल्यः प्रततरुदितक्षामवदनः

शरीरे संस्कारं नृपतिसमदुःखं परिवहन् ।

दिवा वा रात्रौ वा परिचरति यत्नैर्नरपतिं

नृपः प्राणान्सद्यस्त्यजति यदि तस्याप्युपरमः ।।

अथवा / OR

किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे

कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा ।

भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघातः

पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः ।।

Shyama Prasad Mukherjee College
LIBRARY
New Delhi

(ख) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या, बहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री

ये द्वे काल विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम् ।

यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः

प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः ।।

अथवा / OR

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला ।

तनयमचिरात् प्राचीवार्कं प्रसूय च पावनं

मम विरहजां न त्वं वत्से ! शुचं गणयिष्यसि ।।

(ग) भेतव्यं नृपतेस्ततः सचिवतो राज्ञस्ततो वल्लभाद्

अन्येभ्यश्च वसन्ति येऽस्य भवने लब्धप्रसादा विटाः ।

दैन्यादुन्मुखदर्शनापलपनैः पिण्डार्थमायस्यतः

सेवां लाघवकारिणीं कृतधियः स्थाने श्ववृत्तिं विदुः ।।

अथवा / OR

कर्णेनेव विषाङ्गनैकपुरुषव्यापादिनी रक्षिता

हन्तु शक्तिरिवार्जुन बलवती या चन्द्रगुप्त मया ।

सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहतकस्यात्यन्तिकश्रेयसे

हैडिम्बेयमिवैत्य पर्वतनृप <u>तद्वध्यमेवावधीत्</u> ।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (3×6=18)

Explain the following with reference to context :

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं

न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम् ।

नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते

वेशमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अथवा / **OR**

कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले

रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति ।

एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां

काले-काले छिद्यते रुह्यते च ।।

Syama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(ख) अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।

जातो ममायं विशदः प्रकामं

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

अथवा / OR

यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां

तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।

श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति

सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

(ग) उपलशकलमेतद्भेदकं गोमयानां

बटुभिरुपहृतानां बर्हिषां स्तूपमेतत् ।

शरणमपि समिद्भिः शुष्यमाणाभिराभिः

विनमितपटलान्तं दृश्यते जीर्णकुड्यम् ॥

अथवा / OR

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

5242

ये याताः किमपि प्रधार्य हृदये पूर्वं गता एव ते

ये तिष्ठन्ति भवन्तु तेऽपि गमने कामं प्रकामोद्यमाः ।

एका केवलमेव साधनविधौ सेनाशतेभ्योऽधिका

नन्दोन्मूलनदृष्टवीर्यमहिमा बुद्धिस्तु मा गान्मम ।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : (1×7=7)

Explain any **one** of the following in **Sanskrit** :

चीयते बालिशस्यापि सत्क्षेत्रपतिता कृषि : ।

न शालेः स्तम्बकारिता वस्तुर्गुणमपेक्षते ।।

अथवा / OR

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्तुतं चेतः ।

चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य ।।

अथवा / OR

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ।।

4. प्रश्न संख्या प्रथम के रेखांकित पदों से किन्हीं **चार** पर, व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (2×4=8)

Write grammatical notes on any **four** of the underlined word from the question number one.

5. राक्षस के द्वारा चन्द्रगुप्त को मारने के लिए प्रयुक्त विविध उपायों का वर्णन कीजिए। (1×15=15)

Describe the various plans that were executed by Raksasa in attempts to kill Chandragupta.

अथवा / OR

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मचारी के आगमन का महत्व समझाइए।

While throwing the light on the name of the drama 'Svapnavasavadattam' explain the importance of arrival of Brahmachari.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

अथवा / OR

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijnanasakuntalam'.

6. संस्कृतनाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (1×15=15)

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

शूद्रक, श्रीहर्ष, कालिदास, विशाखदत्त

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5223

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit, Core**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक–एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए :

Explain One Mantra from each section : (6×2=12)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) अग्निनारयिमश्नवत्पोषमेवदिवेदिवे।
यशसंवीरवत्तमम्।।

(आ) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोतातन्मेमनःशिवसंकल्पमस्तु।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

खण्ड (ख)

Section (II)

(अ) ऋतावरीद्विवो अर्कैरबोध्यारेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्रउषसंविभातींवाममेषीद्रविणं भिक्षमाणः।।

(आ) नीचावर्तन्ते उपरिस्फुरन्त्यहस्तासोहस्तवन्तं सहन्ते।
दिव्या अंगाराइरिणेन्युप्ताःशीताःसन्तोहृदयंनिर्दहन्ति।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) सत्यं बृहद्दतमुग्रंदीक्षातपो ब्रह्मयज्ञःपृथिवीं धारयन्ति।
सानोंभूतस्य भव्यंस्यपत्युरुंलोकं पृथिवीनः कृणोतु।।

(ख) यज्जाग्रतो दूरमुदैति देवं तदु सुप्तस्य तथैवेति ।
दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

(ग) तत्रापराऋग्वेदोयजुर्वेदःसामवेदोऽथर्ववेदः
शिक्षाकल्पोव्याकरणं निरुक्तं छन्दोज्योतिषमिति।
अथ परायायातदक्षरम् अधिगम्यते।।

(घ) मन्त्रेषु कर्माणि कवयोयान्यपश्यंस्तानित्रेतायांबहुधा सन्ततानि।
तान्याचरथनियतंसत्यकामाएषवःपन्थासुकृतस्यलोके।।

(ङ) अविद्यायाम् अन्तरे वर्तमानाःस्वयंधीराःपंडितं मन्यमानाः।

जंघन्यमानाः परियन्तिमूढाः अन्धेन एवनीयमानाःयथा अन्धाः।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (10)

Describe the Vedic features of Usas.

अथवा / Or

सांमनस्यम्सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Describe the Social importance of Sammanasyam Sukta.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

4. निम्नलिखित मे से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : (3×2=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थकप्रत्यय

(ख) वैदिकस्वरित

(ग) तुमर्थकप्रत्यय

(घ) लेट्लकार

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

5. प्रश्नसंखया एक से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / Or

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन करें।

Describe the **Six** main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6×2)

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क)

Section (I)

(अ) यथोर्णनाभि: सृजते गृह्यतेच यथा पृथिव्यामोषधय: सम्भवन्ति ।

यथासत: पुरुषात्केषलोमानितथाक्षरात्सम्भवतीह विश्वम् ।।

(आ) य: सर्वज्ञ: सर्वविद्यस्य ज्ञानमयंतप: ।

तस्मादेतद्ब्रह्म नामरूपमन्नं चजायते ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

खण्ड (ख)

Section (II)

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(अ) द्वासुपर्णासयुजासखाया

समानंवृक्षंपरिषस्वजाते ।

तयोरन्य: पिप्पलंस्वाद्धत्त्य्-

अनश्नन्यो अभिचाकशीति ।।

(आ) कालीचकरालीचमनोजवाचसुलोहितायाचसुधूम्रवर्णा ।

स्फुलिंगिनीविष्वरुचीचदेवी लेलायमाना इति सप्तजिह्वा ।।

7. मुण्डकोपनिषद् का दार्शनिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए । (10)

Describe the Philosophical importance of Mundkopanishada.

अथवा / Or

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परमात्मा का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए ।

Describe about Parmatama according to Mundkopnishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain this Mantra in Sanskrit Language.

(क) अग्नेः यंयज्ञमध्वरंविश्वतः परिभूरसि ।

सइद्देवेषुगच्छति ।।

अथवा / Or

(ख) तपसाचीयतेब्रह्मततः अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात्प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसुच अमृतम् ।।

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY G New Delhi

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5428

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre & Dramaturgy (DSE)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) SANSKRIT (CBCS)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

Shyama Prasad Mukherjee College
LIBRARY
5428
New Delhi

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं पॉच प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

1. नाट्यमण्डप के विविध प्रकारों को लिखिए तथा विकृष्ट नाट्यमण्डप को विस्तार से समझाइए। (15)

Write the different types of theatre and elaborate the rectangular theatre in details.

2. अभिनय क्या है? इसके भेदों को बताते हुए वाचिक अभिनय का विवेचन कीजिए। (15)

What is acting? Discuss it's types and the vocal acting.

3. नायिका के भेदों का वर्णन कीजिए। (15)

Describe the different types of heroines.

4. अर्थप्रकृति क्या है? इसके भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (15)

What is Arthaprakriti? Write briefly about it's types.

5. नाटक में कथावस्तु क्या है? स्त्रोत के आधार पर कथावस्तु के प्रकारों का विवेचन कीजिए। (15)

What is the plot in a drama? Discuss the kinds of plot on the basis of their sources.

6. रंगमंच के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the origin and development of theatre.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(5+5+5=15)

Write the short note of any **three** of the followings :

(i) प्रबेशक

(ii) विदूषक

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(iii) धीरललित

(iv) आकाशभाषित

(v) कंचुकी

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5429

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hon.) DSE, LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषा के विविध रूपों का वर्णन करते भाषा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए । (12)

Discuss the nature of language describing the different forms of language.

अथवा / OR

'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है', इसकी सविस्तर व्याख्या कीजिए ।

'Language is the system of vocal symbols', explain it in detail.

2. ध्वनि विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए ध्वनिविज्ञान की उपयोगिता का वर्णन कीजिए । (12)

Describe the utility of phonetics explaining the nature of phonetics.

अथवा / OR

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

वाक्यों के प्रकारों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the types of sentence by citing examples.

3. पारिवारिक वर्गीकरण का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (12)

Describe the genealogical classification of languages with examples.

अथवा / OR

भारोपीय भाषा परिवार के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Indo-European language family.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5 + 5 + 5 = 15)

Write short notes on any **three** of the following :

(क) बोली और विभाषा
Sub-Dialect and Dialect

(ख) स्वर और व्यञ्जन
Vowels and Consonants

(ग) अर्थपरिवर्तन की दिशाएँ
Direction of Semantic changes

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(घ) रूपपरिवर्त्तन के कारण

Causes of morpheme change

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : (6 + 6 = 12)

Write short notes on any **two** of the following :

(क) वाक्य के अनिवार्य तत्त्व

Essential elements of sentence

(ख) अर्थज्ञान के साधन

The factors of sense of meaning

Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(ग) प्रयत्न

Prayatna

(घ) पद और शब्द में अन्तर

The difference between शब्द and पद

6. संस्कृत भाषाविज्ञान के इतिहास का सामान्य परिचय दीजिए। (12)

Give an introduction of the history of Sanskrit language.

अथवा / **OR**

तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

Discuss the history of comparative linguistics.

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5588

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hon.) DSE, LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

LIBRARY

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषाविज्ञान की उपादेयता का विवेचन कीजिए । (8)

Describe the utility of linguistics.

अथवा / OR

भाषाविज्ञान के प्रमुख अडगों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the main components of linguistics.

2. भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । (8)

Explain the nature of language in the point of view of linguistics.

अथवा / OR

भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

Discuss the characteristics of the language.

3. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए । (12)

Give an introduction of Indo-European family of language.

अथवा / OR

मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

Highlight the devolution of Sanskrit from Proto Indo-European language.

4. संस्कृत की दृष्टि से पद-विज्ञान का परिचय दीजिए। (12)

Give an introduction of morphology from Sanskrit's point of view.

अथवा / OR

संस्कृत की दृष्टि से अर्थ-विज्ञान का वर्णन कीजिए।

Describe the semantics from Sanskrit's point of view.

5. तुलनात्मक भाषाविज्ञान के इतिहास का परिचय दीजिए। (12)

Introduce the history of comparative linguistics.

अथवा / OR

आधुनिक भाषाविज्ञान की दृष्टि से संस्कृत का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

Discuss the importance of Sanskrit in the light of modem linguistics.

Shyama Prasad Mukherjee College ★ P.T.O. LIBRARY ★ New Delhi

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (8 + 8 + 7 = 23)

Write short notes on the following :

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

(क) मूल भाषा

Original language

अथवा / OR

वाक्यों के प्रकार

Types of sentence

(ख) अर्थ परिवर्तन के कारण

Causes of semantic change

अथवा / OR

रूप परिवर्तन के कारण

Causes of morphological changes

(ग) मूल भारोपीय भाषा

Proto-Indo-European language

अथवा / OR

ध्वनिपरिवर्तन के कारण

Causes of phonetic changes

18 JUN 2024

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 5264

Unique Paper Code : 12131502

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

5264
LIBRARY
Shyama Prasad Mukherjee College
New Delhi

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any **four** words of the following :

इ, ग्, झ्, ण्, लृ, ब्, ऐ, व्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples any **two** technical terms of the following :

लोपः, ह्रस्वः, उदात्तः, सवर्णम्, संयोगः

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : (4×1=4)

Write the letters of any **four** of the प्रत्याहार.

अक्, एङ्, इण्, झष्, यर्, शर्, झय्

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों का सूत्रनिर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in any **five** of the following quoting relevant sutras :

मद्ध्वरिः, विष्णवे, उपेन्द्रः, रामश्शेते, वागीशः, शिवो वन्द्यः, अघो याहि

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following :

आदिरन्त्येन सहेता, सुप्तिङन्तं पदम्, तपरस्तत्कालस्य, एङि पररूपम्, ष्टुना ष्टुः

भाग ख / Section B

6. **अन्विति 1** से **तीन** तथा **अन्विति 2** से **दो** पदों को चुनकर कुल **पांच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing **Three** compounds from Unit 1 and **two** compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

अधिहरि, ग्रामगतः, चोरभयम्, नीलोत्पलम्, अनश्वः

LIBRARY

अन्विति 2

कण्ठेकालः, धर्मार्थौ, शिवकेशवौ, पितरौ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate any **two** of the following sutras :

उपसर्जन पूर्वम्, षष्ठी, नदीभिश्च, तस्मान्नुडचि, अजाद्यदन्तम्

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पदों में प्रकृति -प्रत्यय स्पष्ट कीजिए : (5×2=10)

Justify प्रकृति-प्रत्यय in any **five** compounds of the following :

अङ्गुलीयम्, अश्ममयम्, गोत्वम्, दण्डी, औपगवः, दाक्षिः, काकम्, दिश्यम्, कण्ठ्यम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए : (3×2=6)

Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any **three** of them to form the respective compounds:

विनता + ढक्, ग्राम + तल्, जिह्वामूल + छ, पृथु + इमनिच्, जड + ष्यञ्, पण्डा + इतच्

Shyama Prasad Mukherjee College LIBRARY New Delhi